

॥ गयस्था गाविनी गार्हा. गान्धिया तु लक्ष्मी तु या। तु या न का न यक्ष
॥ १०५ ॥ तुहिनां शु समास्या नं. तुहिनां शु समयरा। तु या ल वा न तु ल्या
व सुन्दरी ॥ १०६ ॥ तु या ल धाम तु ल्या स्या. तुहिनां सु स ना ग ना। तुहिनां सु स
वक्ष्मा ल व जि गा ॥ १०७ ॥ गा न स्व व क्ष सहि का. गा न ध्व न विरू षि ना। १० का न व
गा न व क्ष वि ली ॥ १०८ ॥ द या व नि दान व नी. इ श्व दा नि तु ना णि नी। गा
व ली. इ हा य य द ग वि नी ॥ १०९ ॥ इ हि गा नी न व न्धु य. दान व न्धु वि मे द

२२५॥ नागकर्मजालिनी ॥ १२१ ॥ नविनकर्मकीकृष्ण अनन्दमूर्तिरुषिना नायक
धर्मसहिता नायकधर्मगोविता ॥ १२२ ॥ नायकानन्दिनिलया नायकानन्दकात्रिणी ध
र्मकर्मनगानिदा नर्मकर्मयत्रायला ॥ १२३ ॥ नर्मयीगानर्मत्रगा नर्मध्यानयत्रायला
नर्मकर्मकसहिता नर्मकर्मकयालिका ॥ १२४ ॥ नयनलिखुषयीगा नयनातिवत्रय
यत्रायलायत्रियानिष्ठा निष्कवर्णकीत्रेवहा ॥ १२५ ॥ यथयियायथयत्रगा योषीय
यत्रायला योषीयियायथयत्रगा यथदायविरुषिगा ॥ १२६ ॥ यथदायविरुषिगा य

२२६॥ नयथायत्रागेलेमलायिगा यत्रायालावत्राधर्मी ॥ १२७ ॥ यथयारुदिना
नीलदहदयालादा गहिनीयुषात्रात्रिणी रुग्णुलीरुग्णुलीयीगा ॥ १२८ ॥ रुग्णुली
यमकात्रिणी रुग्णुलीलयदायविरुषिगा रुग्णुलीकालारुलीयीगा ॥ १२९ ॥
रुलीहालविरुषिगा रुलीसकर्मसर्वगी रुग्णुलीनन्दवद्धिनी वासुदेववत्राविरुगा ॥ १३० ॥
विरुविहानकालिनी विगावनित्रलाकीर्ण वावयिष्यत्रात्रिणी वालावसुमणीविद्या
॥ १३१ ॥ विद्यावावविरुषिगा विद्यावमीनेययनयीगावचसमीवली वासीविद्या

शंकनिषी ॥ १३३ ॥ वनागष्टावनानना विष्णुवचसुवसुवावाग्वर्गविधवाशिनीवा
वृक्षीगवसुसुव ॥ १३३ ॥ वानीनकुसुभासुकाहीनिहारुयहाशना। वसुजालसम
युगलानयुष्माहृत्वायुष्मा ॥ १३४ ॥ रुवदाजनमसुनहीनिहारुयसंयनाही
माकालाचसुन्दरीमायाधनीमानवना ॥ १३५ ॥ मानसमाननयनामाधवान
न्दमाधीमदीनामदिबद्धा। महाभाहारुषायना ॥ १३६ ॥ महनीमहदइनाम
दिप्रामादनिवना। सदिनासमर्कलगाजमनाकाखगाथाग ॥ १३७ ॥ माग्नीन

पुवदिनीजादवनन्दवनिनी। जादवनन्दवाहिनीयक्षुषीनायक्षुवली ॥ १३८ ॥ यक्ष
मविष्णिना। नामयीयावागवना। नामनायननयना। वाहीवाजकुलखाव ॥ १३९ ॥
वाजवाजक्षानीविमा। नामनीनामनीवम्या। नामानन्दयदायनी। वाजनीकवयुष्मा
॥ १४० ॥ वकास्यवविलाचना। लाङ्गिप्रियमसुगुष्प। लाङ्गलीयवययिथा। वाकावृक्ष
चललना ॥ १४१ ॥ लीलालीलावनीलया। लंकव्यवगुषयीगा। लंकवववदायनी
लावोक्षीकसुमयीगा ॥ १४२ ॥ वेलोक्षीकसुमयजा। वागविष्णुगजिहनी। विनव्य

ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रीं स्वाहा २

धुमधामिनी शैलेश्वरी नमो नमो ॥ १४३ ॥ शत्रुघ्नी शत्रुघ्नी शक्रावकुम
भक्त्या सदा दीविष्यति नमो नमो नमो ॥ १४४ ॥ ॐ स्वा ॐ श्वनव
रा उग्रश्याम कथाचाया अकानामश्वन इवा ॥ १४५ ॥ ॐ कावस
नरु विना ॥ ॐ श्वन कथाचाया ॥ ॐ काना कलविनी ॥ ॐ कावस
हर्षा नमो नमो ॥ ॐ ॐ दय ॐ नमो ॥ ॐ ह्रीं क्लीं सूर्य नमो नमो नमो ॥ १४६ ॥
समयसमहर्षन ॥ १४७ ॥ सर्वो गमस्य स्या सर्वमनु सूर्यह नमो नमो नमो

धा ३

या स्या कालकुरु ॥ १४८ ॥ य ४ य १० या थय दायि स्या गी नाउ संशया ॥
निमामानि संत्यक्तः पुसंगा सूर्य विष ॥ १४९ ॥ गमकानि नानि कल्याणि नान्यानि
निउकदावन शरु नमो नमो नमो ॥ १५० ॥ नाना विनायक
या नाना निरुदावन शरु नमो नमो नमो ॥ १५१ ॥ ॐ श्वन
रुकि लवण ममासाधन किंचन ॥ यानरु म् विषय सन ॥ वरु ॥ ॐ ए कथा सव ॥ १५२
यस्या सव वकी रुना ॥ य ४ य १० ला र्थय दायि ॥ ॐ कवि रुन सर्वदा ॥ १५३ ॥ सदीर्घा

धा ३

युमुरीयुगी. वानीनस्यवर्णकन. सर्वनीथरिखकन. गयाष्टादनयत्तुलं ॥ १७
४ ॥ नकुलनस्यसकन. य४य१०दवविलिन. यथासामालाधनशुद्धा. यवसाधितुमयना
॥ १७७ ॥ नषांकनार्थसर्वरु. गवदवीयपालया. मउमकालनामध. सिखादन्नन
नादयन् ॥ १७८ ॥ इक्षुसुखाचरुक्षुच. गच्छदगात्रकायद. अष्टम्याचवतुर्दश्याः
नवम्यानिषिवासलन् ॥ १७९ ॥ नक्रान्कोमरुलनाथी. अमावास्याविलाषनशवर्षरु
यायादवलि. नस्याधिनाष्टसिद्धय ॥ १८० ॥ मृगवृक्षाययानात्री. मृगगच्छाद

यांगत्वा. मृत्वाययाययानात्री. सोराग्ययउचिचिवा ॥ १८१ ॥ वध्वावाकाकव
वा. मृगवत्साहयांगत्वा. धनधन्यविहीनाय. लागत्वाकाकुलाचया ॥ १८२ ॥ गारि
नगिस्मर्द्धदवी. तुङ्गयगुलिखाययन्. सर्वतुङ्गचवाक्रिया. सर्वसीषावनीरुवन् ॥ १८३
॥ चर्वयमानयिप्राया. इक्षुमयविधीतिना. सहायावसनयात्र. विवादगच्छसंकट ॥ १८४
२ ॥ चतुर्वग्नथायुर्द्ध. सर्वदायत्रियीतिटे. सत्रहादसकल्याणी. सकुर्नयागिवादन
॥ १८५ ॥ युङ्गनीयमुयत्तन. न्याग्यवलिवात्रय. विल्ववृक्षनटदवी. सर्वदाकुल

मधुय ॥ १५४ ॥ शुकनासवर्षसुके रुके इत्येवमधुले । अयुर्वर्षिस्तस्युके ने
शयश्चन (थ) चिने ॥ १५५ ॥ अनेनेवविधानन. याचयत्यवमश्वनी । सहमीचलयदवी
साकादीनानससय ॥ १५६ ॥ महाशंखनकल्याणी. सर्वकार्याजयादिकं । कलसर्वसक
सर्व. पुरावावर्षिहूमया ॥ १५७ ॥ नसकनसमाकांन. वर्षकाटिसुनेवयी । किंचित्सय
तुचायाल्याः कठिनंयवमश्वन ॥ १५८ ॥ ऊन्माननसहस्रस. वक्ष्मिनुनेवससकन । कनि
क्षाययुदा नवां. गात्रारुकि यत्रायच ॥ १५९ ॥ अन्यरुकायनादयं वेष्टुनायवि

न । कतिनाययुदा नवां. रुयशुद्धायत्रायचः ॥ १६० ॥ महान्मानिसदादयं. यत्रि
क्षायच । नारुकाययुदा नवां. यक्ष्मनयत्रायच ॥ १६१ ॥ नदयंदवदवशि. लसया
ऊमसदा । कलनाकेमेयुगिदिनं. य ४ रुकाय १० मानव ॥ १६२ ॥ यस्याद्विर्क वयं हने
समाविशारुवाक्ष्मि । सोइयननुमहि मां. न्ननसीऊ ४ शिगइनि ॥ १६३ ॥ गक्षाशंकन
नवसी. रुमीजायनिनयथा ।
सम्पादनादया रुकी कलसहस्रनामकांठ. ✓

१ॐ नमः श्रीवज्रयागिनी नमः ॥ व्याधिहीनयमासायः देवीष्टीवज्रयागिनी ॥ उग्रव
 नाग्निनी नात्र नमस्तु कदाचिद्वत् ॥ हिमाश्रयासुगन्धर्वी नमस्तु नात्र कदाचिद्वत् ॥ सिद्धिहीन
 यमासायः वज्रयुक्ताष्टयागिनी ॥ मानद्विनिमस्तु देवीनीलसुवर्णायाः सहविः
 शिद्विहियता रण्यं गुरुगन्धर्वसदा ॥ स्वयम्भुलिङ्गवर्धिनी सुवार्तादर्थयागिनी ॥ वि
 मुक्तिमुक्तिदायिनी नमामी वज्रयागिनी ॥ एकद्विकद्विदंष्ट्रा ध्यात्रव्याहृतासान
 नवस्त्रिपदमाला भयवर्धनि शिखरी ॥ त्रिवलजयदात्री हस्तविनयक
 हि ३

कत्रकलिनकयाला पातुमांभयना ॥ ॥ १२॥ त्वाष्टीवज्रवात्राहि मनुमूर्ति
 ध्वनी ॥ अथ नाववदारीमा अद्विसिद्धिवनयदा ॥ उर्वकात्रसमाशीर्ष सहस्रानन्द
 ली ॥ यत्नारुनदहास्त नमस्तु वज्रयागिनी ॥ ॥

१ॐ नमः सप्तलक्ष्य ॥ सप्तयन्त्राष्टनादवी सप्तयन्त्रयस्त्रिणा सप्तान्वयध्वानित्या स
 नर्गध्वनयिनी ॥ १ ॥ सप्तकासुहस्ता च सप्तसंघनशङ्खिना वनदासिद्धगन्धर्व प्रसिद्धा
 देवदानवी ॥ २ ॥ वल्लुगामूर्तिरिषवै ॥ धिक्लिमुयससदा स्मृतानननर्मादवी जग

छवि सप्तसर्गि ॥ ३ ॥ ऊयसु दनी छि स ध्यायी. सर्वा विद्यां वरु निग। ॐ नित्य यद्वा लक्ष्मी
 सप्तसर्गि सप्तसर्गि सप्तसर्गि ॥ ॥ १ ॥ जाक (६) नु सु सा व हा ले ध व वा. जा भय द्वा स ना जा वि
 ना व न द ह म न्दि न क ना. जा भ न व सु व ना जा व द्वा स न ह क व य व न य. स र्का य मा ना म दा
 सा मा या तु सप्तसर्गि रु ग व नी. नि स स जा या य हा ॥ ॥ ऊय ऊय द वि स ना स न सा न. म
 तु ना व छि न ना सा वि व न. स न रु ग स र्गि न मू का हा न. रु ग व नि स न धि द वी म न रु ॥
 ए न म ही स र्गि य द वा य न म ॥ द का वा य ॥ पु थ म र्ग न म्ना म. द्वि नि य श्रु दि वा क न

१

नीयन्ति। न ना व धु. व तु र्थ ला व क रू ॥ १ ॥ य श्रु मं य रु क र्वा ना म. स ह आ स
 र्क. मा द ह स य म या र्क. आ दि य श्रु न था रु म ॥ २ ॥ न व मं व वि ना म श्रु. द न म र्ग
 उ व न. अ र्क उ का द ग ना म. द्वा द र्ग नि कू न रु स ॥ ३ ॥ उ न रु द र्ग ना मा नि. द्वि का ल
 ४ य ध लु न. स र्ग क र्क रु न रु व. या वि उ रु न रु धु र्वा ॥ ४ ॥ स र्वा र्थ क न रु ना न. स र्वा
 क र्क व नि र्ग. स र्वा क र्क रु न रु प श्रु. ही स र्ग य न म्ना म ॥ ५ ॥ ॐ नित्य यद्वा लक्ष्मी आ दि
 स द्वा द ग ना म रु उ स मा य ॥ ६ ॥

ॐ नमः १ स न स ले ॥ यथमंरात्रनी नाम. द्विगिर्ययस न स्यामी. हनीयसात्रदादबी. यतुर्थ
हं सगामिनी ॥ १ ॥ पंचमंयुगविरया ना. षष्ठं वागीश्वरी न था. कीमात्रिसफमंयाका. नृस
मं बुद्धचापिनी ॥ २ ॥ नवमं विदुषमा ना. दशमं बुद्धल १ सुना. उकादशां धिर्ववाली. द्वाद
शां वनदायका ॥ ३ ॥ उमानि द्वादशनामानी. याननूत्मायय १ य १० ॥ रुद्ररुद्राशु रुद्र
न. नसादया १ युसादन १ ॥ ४ ॥ ॐ निसात्रदा द्वादशनाम सां स माफ १ ॥
ॐ नमः १ श्री स या य नम ॥ नमः १ सविशुजुग क व रुष. उगल स्य सुनिहि. नि

नव. उयी य या या उगु ल स धानि. विविशिर ना वा य ल शी क वा ल न ॥ १ ॥
नमः ॥ सुर्व सुर्व न न १ ॥ म. क. ला धम सि स न न. नाजं नाम सह सु ल. सह सां शु दि.
ना ॥ २ ॥ विशमान नु न द द्या. सूर्य १ कृष्ण सजं न दा. स्वप्न न द न न द स्या. यून वच न
वनी न ॥ ३ ॥ श्री सूर्य उ वा च ॥ गाम्य गाम्य महावा हा. शुभ या म्य वनी सु न १ ॥ मूल नाम सह
ल. य ० १ १ स्वर्व सुर्व शु रं ॥ ४ ॥ यानि नामानि शु क्ति. यविजानि शु रानि च. गानि कीरि
यि यामि. शु स्या व सा व धा व य ॥ ५ ॥ ॐ वि करु ना वि व र्ण्यं. मारु. शु रु रु वा व वि श ला क

बुकाशक ४थी मान्. लाकचक्रुर्हृद्यव ॥ ६ ॥ लाकसाकीशिलाकश. कर्कहर्कमगमि
गुहा। नयनलायनल्येव. शुचिसफाश्ववाहन ॥ ७ ॥ गरुहिरुहलावन्नाव. सर्वदवनमस्तु
न ॥ उकविनेमिनिष. सुव ॥ ८ ॥ सदा मम ॥ ८ ॥ गत्रीनावाग्दल्येव. धनवृद्धिर्कस
स्तुवा। सुवनाज. निर्यान. सिमूलाकषुविष्टु ॥ ९ ॥ जयननमहावाहा. द्वसं. सुम
या। लीनिमायुनगरुखा. सर्वयाये ॥ १० ॥ कायिकं वाचिचिकं चैव. मानसं
सुर्ग। न सर्वं ॥ उकजयन. पुनस्तुमिममायुन ॥ ११ ॥ उकजयनमय. सं. ध्यायास

वालेमक्राधनकुच. धूयमनुस्तुथेवव ॥ १२ ॥ अनयदानस्तानव. उषियानयुद
जिनायमहामनु ॥ १३ ॥ सर्वयायेयुमचन ॥ १४ ॥ उवमूकागुरुगवान. रास्तुनाजगदी
आमस्तु ॥ सुर्गनेय. नुवाकनधीयन ॥ १५ ॥ आम्नायिस्तुवनाजेन. सुत्यासफश्ववाह
युनात्मानिनु ॥ १६ ॥ मान्. नस्माडागादिमूकवान् ॥ १७ ॥ निशीषा मयना. लावागायन
यनरुगवन ॥ १८ ॥ सुर्गकुस्तुवनाजसमार्थ ॥ ७

१ श्री गुरु नमः ॥ ॐ नमः ४ शुभ कालिकायै नमः ॥ कालत्राणिक वाली यविश नद
शकाली शुभ काली सुकाली ॥ १ ॥ चलवलदन काली यकि वकु क काली विललिग क
ल काली काल कल्या न काली ॥ २ ॥ मृगडि सवन धाली मृगु मात्रो हि हाली ॥ हविनय न
हात्री मरु ना ला नु याली ॥ ३ ॥ वृचित्राणि क वाली या या च मा गृवात्री न वरु न म
नाडे काल काला शु काली ॥ ४ ॥ कविनदन काली काल द्रय स काली न ललि
हन काली मृगु माला के काली ॥ ५ ॥ सवनवनवन वाली वल्लुमाना देयाली न क

म काली कालया ४ भा के काली ॥ ६ ॥ कमलपूट विलागी सर्व सद्रुय माटी न कल कम
दी यष्टि म साग वाटी ॥ ७ ॥ नवन कनन नाटी रु न रु काल लाटी न दहु म महि
याय मि धार्मु हासा ॥ ८ ॥ कूलनन कम लाली नीम वन्धन वाली नयन म म क वाली
लीन ना दानु हाली ॥ ९ ॥ ललय गिलु हिलाली लकना रुय वाली कविन स कन काली
कालिका नामिका ली ॥ १० ॥ यलि शुभ वरु जाया मृन मरु य जाया न रुय कन वल क साया
मह च धरु पु लाया ॥ ११ ॥ जय रु वन द वा या मनु ४ सर्वी मि नाया नयन म कन वि कया

दरुलार्कविक्रम्या ॥ १२ ॥ मथिनकुलजबादा विन्दूनादाननादानयनिह्नगवद्रयादा
जिगाणाषयादा ॥ १३ ॥ गुरुनविनादा दरुदाविडमन्दा नजयगुजयकुदवीदेव
वाप्रिदवी ॥ १४ ॥ हविह्वविचिमुर्या शंखदधनुयका नद्विवसिनकत्रयादा या
दीक्षुवादा ॥ १५ ॥ हवहुममविधारि सर्वसन्यारिकर्कि वविननगिङ्गसलाली क
आशकाली ॥ १६ ॥ त्वमसिधममकाली शिरुवेनविः सिद्धिलगित्वमंवतदिन
अपराधी न वापीर्व ॥ १७ ॥ एविधयंगवं नाखः धामबाभस्थनीर्व

लमसियत्रमत्रया मलयत्रकं ध्वना
 सवि विधेदेवा मलयत्रकं ध्वना ॥ १२ ॥ लमसिसकलना धा कालसंक
 लसिगुवद्रुदा मलयत्रकं ध्वना ॥ १३ ॥ लमसियत्रमत्रागी मलयत्रकं ध्वना
 लमसिविधिविना ध्वना ॥ १४ ॥ लमसियत्रमत्रागी मलयत्रकं ध्वना
 दी विविधिविधिविना ध्वना ॥ १५ ॥ कलिककलकल्या कल्यासक
 कल्या कल्यासक कल्यासक ॥ १६ ॥ कल्यासक कल्यासक ॥ १७ ॥ कल्यासक कल्यासक

नालखण्ड उपायमूढः कायसंगान हली ॥ २४ ॥ उज्ज्वलिवेन नामा नाममाला
 यमगनत्रयाः पायसाः विद्यायाः ॥ २५ ॥ स्वमसियत्रमदवी हीयमानयुगाय वि
 मनामा भाहवद्वाचकलि ॥ २६ ॥ कखगघङ्यदायाः दूवीकामध्वनीरुचक
 दाका भाहनीभाहनीरुच ॥ २७ ॥ टठडहयदाका निम्मलादवगाह्यं नथद
 दवीरिगात्रला ॥ २८ ॥ उउशीलाय नखं यत्रलवय
 नीकाकदवी स्वमसिवल

॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥
॥ अठमिका न्य हं द वं ॥ यु रा व म य वा स्य च ॥ ३१ ॥ ॥ अष्टमिका च ॥ ३२ ॥
॥ हा रा ग ॥ सु व ना उ मि दं हुरं ॥ सह से ना म रि दि यो ॥ सि डि दं स र्व सा क
॥ स चि रि ॥ यो न नू ह्या य ॥ यो न नू स मा हि न ॥ ॥ ठि का लं ह्य ह्या य कं ॥ न
॥ न वं सु व ॥ ३३ ॥ ॥ ॐ अष्टमिका च ॥ ३४ ॥ ॥ अष्टमिका च ॥ ३५ ॥ ॥ अष्टमिका च ॥ ३६ ॥

॥ अष्टमिका च ॥ ३७ ॥ ॥ अष्टमिका च ॥ ३८ ॥ ॥ अष्टमिका च ॥ ३९ ॥ ॥ अष्टमिका च ॥ ४० ॥
॥ अष्टमिका च ॥ ४१ ॥ ॥ अष्टमिका च ॥ ४२ ॥ ॥ अष्टमिका च ॥ ४३ ॥ ॥ अष्टमिका च ॥ ४४ ॥
॥ अष्टमिका च ॥ ४५ ॥ ॥ अष्टमिका च ॥ ४६ ॥ ॥ अष्टमिका च ॥ ४७ ॥ ॥ अष्टमिका च ॥ ४८ ॥
॥ अष्टमिका च ॥ ४९ ॥ ॥ अष्टमिका च ॥ ५० ॥ ॥ अष्टमिका च ॥ ५१ ॥ ॥ अष्टमिका च ॥ ५२ ॥
॥ अष्टमिका च ॥ ५३ ॥ ॥ अष्टमिका च ॥ ५४ ॥ ॥ अष्टमिका च ॥ ५५ ॥ ॥ अष्टमिका च ॥ ५६ ॥
॥ अष्टमिका च ॥ ५७ ॥ ॥ अष्टमिका च ॥ ५८ ॥ ॥ अष्टमिका च ॥ ५९ ॥ ॥ अष्टमिका च ॥ ६० ॥

सुधा धारा ॥ २५ ॥ ध्यानं मसिद्धाय मज्जना विन्धवासिनी ॥ सिद्धि वि
शक्तिः यथा ध्यानं नदसुविगा ॥ २६ ॥ यत्र दूतयुया कामि ४ कामिनी यत्र
ना यज्ञादिनी मसामाया ॥ इग्नी इग्नी रिनाहिनी ॥ २७ ॥ द्वास्ताम रिवस
च आनि ४ कूमुदहासिनी ॥ इग्नी र्गर्मा इल्लराविद्या स्वर्गमि ४ यत्र वासिनी
३० ॥ मयर्ग ४ मन्त्रीमाया मदिनाम इहासिनी ॥ नात्रायनी महानिद्रा यामा

निद्रा यरावनी ॥ ३१ ॥ पाहायात्र मिगायाहा नात्रामधुमनिर्मधा कीत्रार्द्ध
सुधासुवना का कालिका सिद्धेर्मिनी ॥ ३२ ॥ उकात्राय सुधाकात्रा कायना
चतना धनि ४ मर्दुविन्दुधना धना विष्टमागा कलावनी ॥ ३३ ॥ यत्रावनी
वक्राच यवर्द्धयसुत्र सविनी ॥ कूलदासिनी उगडाणी वृद्धमागा जिना
॥ ३४ ॥ जिनागा जिनाया सानदाहसवाहिनी ॥ नाश्ल कीववहात्र

हा ना सुधासिका ॥ ३७ ॥ नाशनी निमुयी वली. दलु नी नि कयाव नि। यडे
 नलि छद्वा. स ननि स त्य नायली ॥ ३८ ॥ सि धर्म दा कि नी गंग। यम नो
 खनी। लहा दा व नी यिया ॥ ३९ ॥ काय नी च ग न डू मों ना ॥ ४० ॥ सत्र य ग लु
 गाय. क की णि की ग ल की णि वा न न म्म दा क म्म दा ॥ ४१ ॥ य म्म (ला नी च व दि क
 ॥ ४२ ॥ वर व नी वि न सा च. व न दान न वा हा ना। स नी य नि य न सा धी. स च कू

नि २

क उ वा सि नी ॥ ४३ ॥ च क च कू १ सह आ की. स (ग) नि रु ग मा लि नी। (ग) नी ला
 (ग) १ य ना का च. स ए हा मू ड का दि नी ॥ ४४ ॥ य ना कि नी द फ न मा. वि य शि
 य श्रे म यि या। य ना य ना क ला का नि १. पि ग कि म्म क दा यि नी ॥ ४५ ॥ निं डी
 मह ध्व नी वा की. को मा नी क म ना स ना। वू च्छा र व नी व नू १. का म (ध नू १ डी
 व नी ॥ ४६ ॥ व जा य क्ष व ज ह ला. व लु व लु य ना क मा १। गो नी स व व च

ग २

सि निरुपमकाविनी ॥ ४३ ॥ चकानकामहृदय, शगवाकर्महृद
जमरुपमकाविनी ॥ ४४ ॥ चकवकाचकवासिनी ॥ ४५ ॥ चकवकरुदिनीध्यामा
यस्माकायवर्जिता ॥ सुस्मितासुमुरिवाग्निमा, मलयकमित्रीस्वनी ॥ ४६ ॥
जाववद्ववलीच, यत्रुषार्थयवाधिनी ॥ नकनीलाभिगाग्निमा, कृष्णायामाचव
ना ॥ ४७ ॥ कृष्णारुवाजनावृद्धा, नवलीकनूला लया ॥ कलाकासुमदकर्म

य, निमषाकासत्रयिनी ॥ ४८ ॥ सुयस्मितासुनानासा, चक ४ स्थगवनीवसा ॥
गंधयियासुगन्धाय, सुयस्मितासुमनागति ॥ ४९ ॥ नगनातिनगमकाच
कयूनामादधत्रिनी ॥ कमनाक्रीकमलाननी, कमलरुपाका ॥ ५० ॥ यम
यानिसूकठिच, सुलिगारुगत्रयिनी ॥ यानिमूढामहामूढा, ययनीयग
गामिनी ॥ ५१ ॥ मधुमाधविीवली, मधुमागामदाहना ॥ माग

हस्तस्य. यथा वा. यथायिनी ॥ ७१ ॥ नका मन्त्र धनार्थि च. नक य
नं गिनी ॥ ७२ ॥ काम मन्त्र धनार्थि च. मह (मन्त्र) च सु चि या ॥ ७३ ॥ सुका गिनी य
स्तु च. सुका हा न विरु व ॥ ७४ ॥ क र्ये त्रा भा दि नी स्वा सा. य धी नि य द्म म नि
॥ ७५ ॥ य कि नी च क ह स्ता च. रु सु लु य नि या य धा. का यि नी या स ह स्ता च.
वि सु ल व न धा नि नी ॥ ७६ ॥ सु व ल्गु ग कि ह स्ता च. म य ल व न वा ह ना. व न य

ध ध ना धी ना. वी न या न म हा ल्फ टा ॥ ७७ ॥ व सु धा व सु धा ना च. ज या सा क
क नि गि वा. वि ज या च ज य कि च. सु न नी ग रु ना गि नी ॥ ७८ ॥ अ न च वि
दे व ग कि. व न दा व न धा नि नी. गी न ला च सु गी ला च. वा ल गु ह दि ना गि नी ॥
७९ ॥ कू मा नी च सु य द्वा च. का मा र या का म र्वा दि ना. जा ल ध ना ध ना न ना. का
नू य नि वा गि नी ॥ ८० ॥ का म वी ज व नी स र्वा. स र्वा ध र्म य ना य ना. सु न य

सिन्हासना. सन्नातुद्विपुत्राधिनी ॥ ५८ ॥ षट्कालाधिकाला ॥ ५९ ॥
अष्टवक्रधजा. वृषयिषात्रिषावृदा. महिषासूत्रधामिनी ॥ ६० ॥ सूरुद
हन्नादकाः दीकायावकसनिगा. कयात्ररुषलकाली. कयात्रवनधनि
नी ॥ ६१ ॥ कयालकृतलादीया. शिवदमीघनधनी. सिद्धिदावृद्धिदानि
त्या. सत्यमार्गवैधेयिनी ॥ ६२ ॥ कंदूरीवाचसूमनी. कृष्णयाकंगालया

कंतलीनीजगद्गर्भा. कुजगकात्रलपिनी ॥ ६३ ॥ यालसगुसूफयमाच.
नारिनालमनालिनी. सुलाधनानिनाकावा. वक्रिकंतुकिंगालया ॥ ६४ ॥ या
यूकंतुसूषासीनी. निनाधनानिनाष्टय ॥ वन्नीमंतुसमंतुसूना. षट्ससासा
दलातया ॥ ६५ ॥ सासासासंगमिन्नुध. गहनीवक्रिसंष्टया. नयसिनीनय
सिद्धि. नायसीचनयिया ॥ ६६ ॥ नयानिष्टनयायका. नयससिद्धिरी

नी। सुयधरु मयी मूर्ति। सुयधरु तनना लया ॥ ६१ ॥ देव युधि मना उदि
न युधि वला दुगा। जीव धी वेश मा ना च। उवाहा कियु रावनी ॥ ६२ ॥ उँ की
अँ रु वानी मम स्वाहा ॥ १०६ ॥ वैद्य विद्या चिकित्स च। सुयधरु नाग नागि
नी। मेरे गैथा मग मासा। मग लम गभाचना ॥ ६३ ॥ वायु लाव धन्या च
व (ध) नूया व (ध) धना। वंदी वन्दी मु ना का वा। का ना व ध विभा चनी ॥ १०७ ॥

गँख लारव लहा विद्युः द्रव ध विभा चनी। मँ वि का व लि का वी वा। सुखा
सा धू। अ ना जि ना ॥ १११ ॥ को ली की कु ल विद्या च। सुकु ला कु ल य जि ना। का
ल च कु ल मा जं गा। विद्य मा उ म ना णि नी ॥ ११२ ॥ वा ला ली म द्य मा ला च। सु
विधि ग स्य व हि नी। मू का ला च ०० का ला च। उँ का ली का व नू यि नी ॥ ११३ ॥
डी का नी विी उ नू या च। की का नी च व न वा सि नी। मू वी क नू म यी म कि। उ

बालवमालिनी ॥ १५ ॥ सिन्दूरय ववर्णव. सिंहलगिलकयिया। व
 वधवीजाव. लोकवधविधायिनी ॥ १७ ॥ नयवध नयासया. नयवध
 कनीयिया। महिषानयमान्याव. नयारू नयनीदिनी ॥ १८ ॥ नयधर्म
 योधन्या. धनधन्यविवहिनी। चतुर्वलमयी मूर्ति. चतुर्वलेश्वरयुजिना ॥
 १९ ॥ सर्वधर्ममयी शक्तिः सिद्धिस्तुत्रयासिनी। वधलीकृति यावध्या.

शूद्रावववर्णजा ॥ १६ ॥ वदमार्गकुमायरा. वदविस्वविराविनी। म
 कुशकुमयी विद्या. वरलकुमुधात्रिनी ॥ १७ ॥ सुमधसहस्रमधाय. रुद्रव
 त्यापनाजीना। गायत्रीसक्तुनिर्ध्या. सावित्रीरियदाशया ॥ १८ ॥ विम
 धायियदीधायी. सुयाथासासुगायत्री। यांचालीवलिकावाला. कालजिउस
 नामनी ॥ १९ ॥ गर्लधनधनासीम्या. गर्लशयविराविनी। सुनाविद्यानिनी

कृत्वा. पुननावगितारुमा ॥ ६२ ॥ लज्जा न सवनी विद्या. रुवानी घायनाभि
नीययदा वत्र धनागति ॥ सुगीनि ग्धान लज्जा च ॥ ६३ ॥ सफ स्वममयां नगी. व
रुम धमधेवना. मूर्च्छनाग्रमसंस्ताना. सुस्वा सुस्वानवाहिनी ॥ ६४ ॥ अय
नदासीनीयना. पुनासन विवासिनी. गीनन एयि या कामा. रुष्टिदायूष्टि
रुष्टीया ॥ ६५ ॥ निष्ठा स एयि या पाह्ना. वलोक सा च सूत्रा रुमा. सविषाका

सिनी काला. विषमा हार्ति नाहिनी ॥ ६६ ॥ विषाविना दगमनी. क न कृत्वा
चमगाहा वा. रुमिरिहि हर्तकी ने. रुगावसे विनाहिनी ॥ ६७ ॥ वक्रा श्री
वाकसी वानी. दीर्घनिडा दिवागति. चन्द्रिका चन्द्रका निष्ठ. सूर्यकांतिनी
चनी ॥ ६८ ॥ अकिनी ग्मा किनी शिष्या. हाकिनि चक्र वासिनी. शीनासिन ए
या स ग्मा. सुक नवन दवना ॥ ६९ ॥ गुनूय धनारुवी. गूविष मावी वि

ॐ नमो । महामानी कृष्णनिडाच नदाम् कृष्णविष्णुनिनी ॥ २० ॥ चंडमंडल
गंगाकाश चतुर्मुखसर्वहिनी । मूनिमादिगुल्लायना । सुसुहा कामत्रयिनी
॥ २१ ॥ अष्टसिद्धियुदायीरा । इष्टदानवद्यागिनी । मूनादिनिधनयष्टि
शुद्धीकृष्णचतुर्मुखी ॥ २२ ॥ चतुर्भुजसुयागिनी । शुद्धवर्गलुपदा । का
न्युष्टयुगिकाग । शत्रुमूकदलाचना ॥ २३ ॥ रुद्ररुद्रविष्णुच । नील

३१
जालेनवासिनी । वाममार्गत्रमावाम । सिववामांगवासिनी ॥ २४ ॥ वांमान
पुण्याउष्टि । लोयामुद्रायुवाधिनी । वालाकैत्राननातडा । वालिहचाम
त्रयिनी ॥ २५ ॥ रुद्रात्मायत्रमात्मच । रुद्ररावविष्णुविनी । मंगलाचसुनी लाच । य
त्रमर्ग्युधिनी ॥ २६ ॥ दक्षिणदक्षिणमूर्ति । सुदक्षिणदक्षिणयुया । धर्ममर्ग्य
काममाकृ । चतुर्भुजलुपदा ॥ २७ ॥ यागिनीयागयूकाच । यागांगका

अंशालिनी। आगयद धनामूका. मूकानायन सांगति. ना नर्सिंदी स्वजन्मा
खिवर्गरे लदायिनी ॥ १०६ ॥ धर्मदा धनदायेव. कामदा भाकदायुनी शर्मा
किनी कल कदाकाक. नरुजा काठि नयिनी ॥ १०७ ॥ कुरु १ का लयनी स्व
था. सुचंदार कचिप्रिया। सखा गमावहि स्थाय. कायस कि कवि त्वादा १०८ ॥
मनायणी सकि याणी. सेनाकरु जिनि नति ॥ १०९ ॥ सो दामिनि सुदामाय. सुधामा

मंशालिनी ॥ १०१ ॥ सेराग्य दायिनि यूज. सुरग्य युनि वद्धिनी। शीघ्र कृति
वसानाय. कृति का कलि नाशिनी ॥ १०२ ॥ नके वीज वर धादिका. सुनन वीज
संगति। उगजी वाजग। द्वाजा. उगय हि नयिनी ॥ १०३ ॥ वामी कनक वचन
व. साकशा था दणी कला। यमनूय दानव धाव. दक्षीनी धन दायिनी ॥ १०४ ॥
॥ चिंती लाचि मायाय. विचिंता कुरु व सत्री। वामन मनु हलाय. वंजय

पुनः (धूना ४॥१०७॥ मूषम्यकादशीयुष्मः नवमीयचतुर्दशी॥ मूर्मक
सहस्राचः युष्मः कुरु वनाधना ४॥१०८॥ मूरीनरुनवीरीनाः सीमाणीयुष्मः
नवी॥ मूहाकुंजीचनोडाचः महारुनवयुजिमा ४॥१०९॥ निमूजाहलिनीच
जः कनालदशनानना॥ कनालविकनालाचः घानयध्वननादिनी ॥१०८॥
उरुदभाईकगाचः वधूककसुमानुष्मा॥ काद्वनीयेटीगाचः काष्मीनीके

यया ॥१०९॥ स्वातिर्वदसुवर्षाचः त्रिर्वदसुवर्षादा॥ मार्गगिनीयना
नोहा॥ सममार्गगमिनी ॥११०॥ हसाहसगकिहंसी॥ हंसाजाललिनाच
हा॥ युष्मः चतुसुखीष्मासा॥ स्मीनास्यावकुण्डला ॥१११॥ मयिचलवलीलयाः
सुवध्यालवकयिया॥ शंखिनीनखसौगाचः हसाचः जलसुजलदेवना
॥११२॥ कुरुकायलीकाशी॥ मथुनाकायवमिका॥ मयाध्याद्यानकामा

॥ चक्र नीलिया ॥ ११३ ॥ त्रिदू कूनायुम याच. काशरू काशवा
 ना. कोशि कीच कूनावरी. कोशीवी कोशवदिनी ॥ ११४ ॥ कोशवयम के
 शा की. कूसक ४ के समाधिया. मना नाच दुला काटी. कूटरू काट नाथ या ॥
 ११५ ॥ स्वयं सुख नूयाय. स्वनूयाय पवधिनी. नज सिनीरू. नीरूच. व
 नदावलदायनी ॥ ११६ ॥ महाकाश महागरी. वृद्धि सदस दालि का. महायद

ASHA ARCHIVES

आशा अर्चिव्स

1365

॥ विष्णु का के. लीनाशिनी ॥ ११७ ॥ साहि कीस स्वसं स्नाच. नाजसीच
 नामसीचगभायका. गुमययविराविनी ॥ ११८ ॥ अयकायक नूयाच.
 ॥ ११९ ॥ ४ कल्याणसुखो निमनसं कल्यसंगति ॥ १२० ॥ सर्वलोक
 ॥ १२१ ॥ सुखवला गावना. सुखहानवमी वाका. सुखन स्वववाधिनी ॥ १२२
 ॥ सुखिष्ठ. स्वयावस्व स्ववीयका ॥ १२३ ॥ दगनिर्मन्दा. मदि